संजीव®

Sanjiv Success Series

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

CET 10+2

समान पात्रता परीक्षा

23 जून, 2026 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

सुपरफास्ट कम्प्लीट रिविजन नोट्स

✧ विशेष आकर्षण ✧

- ☞ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश
- ☞ परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण तथ्यों का सारगर्भित संकलन
- ☞ राजस्थान सामान्य ज्ञान 41 जिलों एवं 7 संभागों पर आधारित

संपादक

डॉ. दीपेश कुमार सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-302003
  Website : www.sanjivprakashan.com

- **© संजीव प्रकाशन**

- **मूल्य : ₹ 400.00**

- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- **मुद्रक :**
  पंजाबी प्रेस, जयपुर

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं-
  Email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके-इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

परीक्षा की स्कीम

विषय विवरण	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समय
राजस्थान का इतिहास, राजस्थान की कला और संस्कृति, भारत का भूगोल, राजस्थान का भूगोल, राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, राजस्थान की अर्थव्यवस्था, दैनिक विज्ञान, तार्किक विवेचन एवं गणित, समसामयिक घटनाएँ, जन स्वास्थ्य, कम्प्यूटर की जानकारी, सामान्य हिंदी एवं अंग्रेजी।	120	240	02:30 HR

नोट– 1. सभी प्रश्न बहुविकल्पी होंगे तथा सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।
2. किसी प्रश्न के गलत उत्तर के लिए उस प्रश्न के पूर्णांक का एक-तिहाई (1/3) भाग नकारात्मक अंकन किया जायेगा।

पाठ्यक्रम विवरण

राजस्थान का इतिहास
- प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ और पुरातात्विक स्थल।
- प्रमुख शासक और उनकी उपलब्धियाँ।
- 1857 का विद्रोह, किसान आंदोलन, जनजाति आंदोलन, प्रजामंडल आंदोलन और राजस्थान का एकीकरण।
- प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व।

राजस्थान की कला और संस्कृति :
- स्थापत्य एवं चित्रकला।
- लोक : संगीत, वाद्य यंत्र, नृत्य, नाटक।
- प्रमुख धार्मिक पंथ एवं लोक देवता।
- सामाजिक जीवन : वेशभूषा, आभूषण, मेले, त्योहार, रीति-रिवाज और परंपराएँ।
- भाषा, बोलियाँ और साहित्य।
- कला और संस्कृति के क्षेत्र में प्रमुख व्यक्तित्व।

भारत का भूगोल :
- भारत के भौतिक स्वरूप : पर्वत, पठार, मरुस्थल एवं मैदान।
- प्रमुख नदियाँ, बाँध, झीलें एवं सागर
- वन्य जीव एवं अभयारण्य।
- आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन।

राजस्थान का भूगोल :
- राजस्थान के प्रमुख भौतिक स्वरूप
- जलवायु दशाएँ
- प्राकृतिक वनस्पति
- प्रमुख मृदाएँ
- नदियाँ, बाँध एवं झीलें
- राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन : खनिज सम्पदा, वन सम्पदा, जल-संसाधन
- पशु सम्पदा
- वन्य जीव, अभयारण्य एवं संरक्षण
- जनसंख्या : वितरण, वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात
- प्रमुख जनजातियाँ
- राजस्थान में पर्यटन

राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था :
- भारतीय संविधान की प्रकृति, प्रस्तावना (उद्देशिका), मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निदेशक तत्व।
- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्, संसद, उच्चतम न्यायालय, निर्वाचन आयोग।
- राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था : राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य सूचना आयोग, राज्य मानव अधिकार आयोग, राज्य का मुख्य सचिव, जिला प्रशासन।
- स्थानीय स्व-शासन एवं पंचायती राज।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था :
- राज्य के विकास में उद्योग, कृषि, पशुपालन एवं खनिज क्षेत्र की भूमिका।
- राजस्थान की अर्थव्यवस्था-विशेषताएँ और समस्याएँ।
- राज्य की आय एवं बजट की अवधारणा।
- हस्तशिल्प उद्योग, बेरोजगारी, सूखा और अकाल।
- राजस्थान में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ एवं अधिनियम, विकास संस्थाएँ, लघु उद्यम एवं वित्तीय संस्थाएँ, पंचायती राज संस्थाओं की ग्रामीण विकास में भूमिका।
- महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MNREGA), विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (VB-G RAM G)

दैनिक विज्ञान :
- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, ऑक्सीकरण एवं अपचयन अभिक्रियाएँ, उत्प्रेरक।
- धातु, अधातु एवं इनके प्रमुख यौगिक, सामान्य जीवन में प्रयुक्त कुछ महत्त्वपूर्ण यौगिक।
- कार्बन तथा कार्बन के महत्त्वपूर्ण यौगिक, हाइड्रोकार्बन, कार्बन के अपररूप, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन या फ्रियॉन, सी. एन. जी., बहुलक, साबुन एवं अपमार्जक।

- प्रकाश का परावर्तन व इसके नियम, प्रकाश का वर्ण विक्षेपण, लेंस के प्रकार, दृष्टि दोष तथा उनका निवारण।
- अंतरिक्ष एवं सूचना प्रौद्योगिकी, भारत का अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम।
- आनुवंशिकी से संबंधित सामान्य शब्दावली, मेण्डल के आनुवंशिकता के नियम, गुणसूत्रों की संरचना, न्यूक्लिक अम्ल, प्रोटीन संश्लेषण का केन्द्रीय सिद्धान्त, मनुष्य में लिंग निर्धारण।
- पर्यावरण अध्ययन: पारिस्थितिक तंत्र की संरचना, पारिस्थितिक तंत्र के जैविक घटक, पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह, जैव भू रासायनिक चक्र।
- जैव प्रौद्योगिकी : सामान्य जानकारी, जैव-पेटेन्ट, नई पादप किस्मों का विकास, ट्रांसजेनिक जीव या पराजीवी जीव।
- जन्तुओं का आर्थिक महत्त्व, पादपों का आर्थिक महत्त्व।
- रक्त समूह, रक्ताधान, आर.एच. कारक, रोगाणु तथा मानव स्वास्थ्य, कुपोषण तथा मानव स्वास्थ्य, मानव रोग : कारण एवं निवारण।

तार्किक विवेचन एवं गणित :

- रक्त संबंध
- संख्या श्रेणी, अक्षर श्रेणी
- घड़ी
- कैलेंडर
- लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य, औसत, लाभ-हानि, प्रतिशत, साधारण ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज, अनुपात-समानुपात।
- समय, चाल, दूरी, कार्य एवं समय।
- त्रिभुज, वृत्त, दीर्घवृत्त, आयत, गोले और बेलन का क्षेत्रफल।
- गोले, बेलन, घन और शंकु का आयतन।
- आंकड़ों का चित्रों द्वारा निरुपण (आलेख, स्तंभचित्र, वृत्तचित्र, रेखा आलेख आदि)
- कोड और डिकोड
- बैठने की व्यवस्था
- मानसिक योग्यता और विश्लेषणात्मक योग्यता

समसामयिक घटनाएँ :

- राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रौद्योगिकी भौगोलिक, पारिस्थितिकी, खेल-कूद आदि क्षेत्रों की राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख समसामयिक घटनाएँ।
- प्रसिद्ध व्यक्तित्व।
- राजस्थान राज्य एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं नीतियाँ।
- नागरिक कर्त्तव्य-मूल कर्त्तव्य एवं नैतिक मूल्य।
- राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 के मुख्य प्रावधान

जन स्वास्थ्य :

- प्राथमिक चिकित्सा (First aid) की बुनियादी बातें, कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (CPR)
- नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रकार और उनसे बचाव के उपाय
- युवाओं की शारीरिक और मानसिक फिटनेस
- सोशल मीडिया की लत से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम एवं निवारक उपाय

कम्प्यूटर की जानकारी :

- कम्प्यूटर की विशेषताएँ और उपयोग।
- मेमोरी (रेम, रोम) फाइल सिस्टम, इनपुट और आउटपुट डिवाइस सहित कम्प्यूटर संगठन।
- एमएस ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल/स्प्रेडशीट, एमएस पॉवरपॉइंट की जानकारी)

सामान्य हिन्दी :

- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय, क्रिया।
- संधि और संधि विच्छेद।
- सामासिक पदों की रचना और समास-विग्रह।
- उपसर्ग।
- प्रत्यय।
- पर्यायवाची शब्द।
- विपरीतार्थक (विलोम) शब्द।
- अनेकार्थक शब्द।
- शब्द-युग्म।
- शब्द-शुद्धि : अशुद्ध शब्दों का शुद्धीकरण
- वाक्य-शुद्धि : अशुद्ध वाक्यों का शुद्धीकरण
- वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द।
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ।
- अंग्रेजी के पारिभाषिक (तकनीकी) शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द।
- कार्यालयी पत्रों से संबंधित ज्ञान, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति।

General English :

- Tenses/Sequence of Tenses
- Voice : Active and Passive
- Narration : Direct and Indirect
- Use of Articles and Determiners
- Use of Prepositions
- Translation of Simple (Ordinary/Common) Sentences from Hindi to English and Vice-versa.
- Glossary of Official, Technical Terms (With their Hindi Versions)
- Synonyms
- Antonyms
- One Word Substitution
- Comprehension of a Given Passage.
- Knowledge of Writing Letters : Official, Demi-official, Informal.

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	अध्याय	पृ. सं.
	राजस्थान का इतिहास, कला एवं संस्कृति	
1.	प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ और पुरातात्विक स्थल	7
2.	प्रमुख शासक और उनकी उपलब्धियाँ	8
3.	1857 का विद्रोह, किसान आंदोलन, जनजाति आंदोलन, प्रजामंडल आंदोलन और राजस्थान का एकीकरण	15
4.	प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व	21
5.	स्थापत्य एवं चित्रकला	23
6.	लोक : संगीत, वाद्य यंत्र, नृत्य, नाटक	30
7.	प्रमुख धार्मिक पंथ एवं लोक देवता	34
8.	सामाजिक जीवन : वेशभूषा, आभूषण, मेले, त्योहार, रीति-रिवाज और परंपराएँ	37
9.	भाषा, बोलियाँ और साहित्य	41
10.	कला और संस्कृति के क्षेत्र में प्रमुख व्यक्तित्व	42
	भारत एवं राजस्थान का भूगोल	
1.	भारत के भौतिक स्वरूप : पर्वत, पठार, मरुस्थल एवं मैदान	43
2.	प्रमुख नदियाँ, बाँध, झीलें एवं सागर	44
3.	वन्य जीव एवं अभयारण्य	47
4.	आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन	49
5.	राजस्थान के प्रमुख भौतिक स्वरूप	53
6.	जलवायु दशाएँ	54
7.	प्राकृतिक वनस्पति	56
8.	प्रमुख मृदाएँ	57
9.	नदियाँ, बाँध एवं झीलें	58
10.	राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन : खनिज सम्पदा	60
11.	पशु सम्पदा	62
12.	वन्य जीव, अभयारण्य एवं संरक्षण	63
13.	जनसंख्या : वितरण, वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात	65
14.	प्रमुख जनजातियाँ	66
15.	राजस्थान में पर्यटन	67
	राजस्थान के विशेष संदर्भ में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था	
1.	भारतीय संविधान की प्रकृति, प्रस्तावना (उद्देशिका), मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निदेशक तत्व	69
2.	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्, संसद, उच्चतम न्यायालय, निर्वाचन आयोग	71
3.	राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था : राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य सूचना आयोग, राज्य मानव अधिकार आयोग, राज्य का मुख्य सचिव, जिला प्रशासन	80
4.	स्थानीय स्व-शासन एवं पंचायती राज	89
	राजस्थान की अर्थव्यवस्था	
1.	राज्य के विकास में उद्योग, कृषि, पशुपालन एवं खनिज क्षेत्र की भूमिका	93
2.	राजस्थान की अर्थव्यवस्था-विशेषताएँ और समस्याएँ	96
3.	राज्य की आय एवं बजट की अवधारणा	97
4.	हस्तशिल्प उद्योग	99
5.	बेरोजगारी सूखा और अकाल	101
6.	राजस्थान में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ एवं अधिनियम, विकास संस्थाएँ, लघु उद्यम एवं वित्तीय संस्थाएँ, पंचायती राज संस्थाओं की ग्रामीण विकास में भूमिका	102
7.	महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MNREGA), विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (VB-G RAM G)	115
	दैनिक विज्ञान	
1.	भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, ऑक्सीकरण एवं अपचयन अभिक्रियाएँ, उत्प्रेरक	117
2.	धातु, अधातु एवं इनके प्रमुख यौगिक, सामान्य जीवन में प्रयुक्त कुछ महत्त्वपूर्ण यौगिक	119
3.	कार्बन तथा कार्बन के महत्त्वपूर्ण यौगिक, हाइड्रोकार्बन, कार्बन के अपररूप, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन या फ्रियॉन, सी. एन. जी., बहुलक, साबुन एवं अपमार्जक	124
4.	प्रकाश का परावर्तन व इसके नियम, प्रकाश का वर्ण विक्षेपण, लेंस के प्रकार, दृष्टि दोष तथा उनका निवारण	130
5.	अंतरिक्ष एवं सूचना प्रौद्योगिकी, भारत का अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम	132
6.	आनुवंशिकी से संबंधित सामान्य शब्दावली, मेण्डल के आनुवंशिकता के नियम, गुणसूत्रों की संरचना, न्यूक्लिक अम्ल, प्रोटीन संश्लेषण का केन्द्रीय सिद्धान्त, मनुष्य में लिंग निर्धारण	136
7.	पर्यावरण अध्ययन: पारिस्थितिक तंत्र की संरचना, पारिस्थितिक तंत्र के जैविक घटक, पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह, जैव भू रासायनिक चक्र	141

क्र. सं.	अध्याय	पृ. सं.
8.	जैव प्रौद्योगिकी : सामान्य जानकारी, जैव-पेटेन्ट, नई पादप किस्मों का विकास, ट्रांसजेनिक जीव या पराजीवी जीव	144
9.	जन्तुओं का आर्थिक महत्त्व, पादपों का आर्थिक महत्त्व	146
10.	रक्त समूह, रक्ताधान, आर.एच. कारक, रोगाणु तथा मानव स्वास्थ्य, कुपोषण तथा मानव स्वास्थ्य, मानव रोग : कारण एवं निवारण	150
	तार्किक विवेचन एवं गणित	
1.	रक्त संबंध	157
2.	संख्या श्रेणी, अक्षर श्रेणी	159
3.	घड़ी	161
4.	कैलेंडर	163
5.	लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य	165
6.	औसत	167
7.	लाभ-हानि	169
8.	प्रतिशत	172
9.	साधारण ब्याज	174
10.	चक्रवृद्धि ब्याज	176
11.	अनुपात-समानुपात	179
12.	समय, चाल, दूरी, कार्य एवं समय	181
13.	त्रिभुज, वृत्त, दीर्घवृत्त, आयत, गोले और बेलन का क्षेत्रफल, गोले, बेलन, घन और शंकु का आयतन	185
14.	आंकड़ों का चित्रों द्वारा निरुपण (आलेख, स्तंभचित्र, वृत्तचित्र, रेखा आलेख आदि)	191
15.	कोड और डिकोड	194
16.	बैठने की व्यवस्था	196
17.	मानसिक योग्यता और विश्लेषणात्मक योग्यता	198
	जन स्वास्थ्य	
•	प्राथमिक चिकित्सा (First aid) की बुनियादी बातें, कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (CPR)	201
•	नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रकार और उनसे बचाव के उपाय	202
•	युवाओं की शारीरिक और मानसिक फिटनेस	203
•	सोशल मीडिया की लत से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम एवं निवारक उपाय	204
•	राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 के मुख्य प्रावधान	205
•	नागरिक कर्त्तव्य-मूल कर्त्तव्य एवं नैतिक मूल्य	205

क्र. सं.	अध्याय	पृ. सं.
	कम्प्यूटर की जानकारी	
1.	कम्प्यूटर की विशेषताएँ और उपयोग	207
2.	मेमोरी (रेम, रोम) फाइल सिस्टम, इनपुट और आउटपुट डिवाइस सहित कम्प्यूटर संगठन	207
3.	एमएस ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल/स्प्रेडशीट, एमएस पॉवरपॉइंट की जानकारी)	213
	सामान्य हिन्दी	
1.	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय, क्रिया	218
2.	संधि और संधि विच्छेद	223
3.	सामासिक पदों की रचना और समास-विग्रह	224
4.	उपसर्ग	229
5.	प्रत्यय	230
6.	पर्यायवाची शब्द	232
7.	विपरीतार्थक (विलोम) शब्द	234
8.	अनेकार्थक शब्द	236
9.	शब्द-युग्म	237
10.	शब्द-शुद्धि : अशुद्ध शब्दों का शुद्धीकरण	239
11.	वाक्य-शुद्धि : अशुद्ध वाक्यों का शुद्धीकरण	241
12.	वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द	242
13.	मुहावरे और लोकोक्तियाँ	243
14.	अंग्रेजी के पारिभाषिक (तकनीकी) शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द	250
15.	कार्यालयी पत्रों से संबंधित ज्ञान, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति	253
	General English	
1.	Tenses/Sequence of Tenses	259
2.	Voice : Active and Passive	264
3.	Narration : Direct and Indirect	265
4.	Use of Articles and Determiners	267
5.	Use of Prepositions	272
6.	Translation of Simple (Ordinary/Common) Sentences from Hindi to English and Vice-versa	273
7.	Glossary of Official, Technical Terms (with their Hindi Versions)	274
8.	Synonyms	275
9.	Antonyms	278
10.	One Word Substitution	283
11.	Comprehension of a Given Passage	285
12.	Knowledge of Writing Letters : Official, Demi-official, Informal	287

राजस्थान का इतिहास, कला और संस्कृति

1 प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ और पुरातात्विक स्थल

कालीबंगा

- कालीबंगा सभ्यता के बारे में सर्वप्रथम **एल.पी. टैस्सीटोरी** ने बताया हुआ था।
- रेडियो कार्बन पद्धति के आधार पर कालीबंगा सभ्यता का काल 2350 ई.पू. से 1750 ई.पू. तक माना जाता है। कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ **''काले रंग की चूड़ियाँ''** है।
- यह घग्घर नदी के किनारे हनुमानगढ़ जिले में स्थित है। इस स्थल की खोज अमलानंद घोष ने 1952 ई. में की थी।
- 1961-62 में बी.के. थापर, बी.वी. लाल, जे.वी. जोशी तथा एम.डी. खरे व एस.पी. जैन के निर्देशन में इसका उत्खनन हुआ।
- यहाँ घरों से गंदे पानी के निकास हेतु पक्की ईंटों की नालियाँ एवं शोषण पात्रों का उपयोग होता था। यहाँ से सादा एवं रंगीन मृद्भाण्ड, चपटे फलक वाले चित्रित शस्त्र, ताँबे के हथियार, तौलने के पत्थर के बने बाट, खिलौना बैलगाड़ी, बेलनाकार मोहर तथा खड़िया मिट्टी से बनी मुद्राएँ आदि प्राप्त हुई हैं।
- **जुते हुए खेत** के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ कपड़े में लिपटा एक उस्तरा तथा मिट्टी का पैमाना प्राप्त हुआ है। यहाँ से लकड़ी की नाली के साक्ष्य भी मिले हैं।
- ऐसा अनुमान है कि यहाँ के लोग एक ही खेत में दो फसल उगाते थे।
- यहाँ से मिले बच्चे के कंकाल की खोपड़ी में छह छिद्र मिले हैं, जिसे मस्तिष्क शोथ बीमारी के इलाज का प्रमाण माना जाता है।
- कालीबंगा से **सात अग्निवेदियां, हाथीदाँत का कंघा** तथा **मिट्टी की चूड़ियाँ** मिली हैं।
- **भूकम्प के प्राचीनतम साक्ष्य** भी कालीबंगा सभ्यता से प्राप्त हुए हैं।
- दशरथ शर्मा ने इसे **सिन्धु सभ्यता की तीसरी राजधानी** कहा है।

आहड़ सभ्यता

- उदयपुर में बहने वाली बेड़च (आयड़) नदी के तट पर स्थित है। इसका पुराना नाम ताम्रवती नगरी था।
- इसे आघाटपुर तथा धूलकोट (स्थानीय नाम) के नाम से भी जाना जाता है।
- इस सभ्यता का विकास बनास नदी की घाटी में हुआ है, इस कारण इसे 'बनास सभ्यता' भी कहते हैं।
- इसके उत्खनन का कार्य 1953 ई. में अक्षय कीर्ति व्यास के निरीक्षण में सर्वप्रथम प्रारंभ हुआ। बाद में 1956 में रत्नचंद्र अग्रवाल की देखरेख में उत्खनन कार्य हुआ। इसका वृहत् उत्खनन डॉ. एच.डी. साकलियां (पूना विश्वविद्यालय) ने 1961-62 में किया।
- यहाँ के मकानों में एक से अधिक चूल्हे मिले हैं, जो बड़े परिवार या सामूहिक भोजन व्यवस्था को इंगित करते हैं। स्फटिक आदि की गोल मणियां, लाल व भूरे चित्रित मृदभाण्ड, मूसल, बिना हत्थे के छोटे जलपात्र आदि मिले हैं।
- यहाँ का प्रमुख उद्योग ताँबा गलाना एवं उसके उपकरण बनाना था। इसका प्रमाण यहाँ प्राप्त हुए ताम्र कुल्हाड़े तथा अस्त्र व एक घर में ताँबा गलाने की भट्टी है।
- यहाँ पर खुदाई में प्रथम ईसा पूर्व की 6 यूनानी मुद्राएँ एवं 3 मोहरें प्राप्त हुई हैं, जो यहाँ के विदेशी व्यापार को इंगित करती हैं।
- यहाँ से प्राप्त मिट्टी की वृषभ आकृतियों को पुराविदों ने बनासियन बुल की संज्ञा दी है।

बैराठ सभ्यता

- बैराठ कोटपूतली-बहरोड़ जिले की विराटनगर तहसील में स्थित है। इसका उत्खनन दयाराम साहनी द्वारा 1936 ई. में किया गया।
- इस सभ्यता का पुनः उत्खनन 1962-63 ई. में **नीलरत्न बनर्जी** एवं **कैलाश नाथ दीक्षित** द्वारा किया गया। बैराठ प्राचीन **मत्स्य जनपद की राजधानी** थी।
- 1837 ई. में **कैप्टन बर्ट** ने बीजक डूंगरी पर मौर्यकालीन ब्राह्मीलिपी में उत्कीर्ण सम्राट **अशोक का शिलालेख** (**भाबू शिलालेख**) खोजा। 1871-72 ई. में कार्लाइल ने इस क्षेत्र का गहन सर्वेक्षण किया। जिसके अंतर्गत भीम डूंगरी पर अशोक का एक और शिलालेख प्रकाश में आया।
- यहाँ से उत्खनन के दौरान बुने हुए कपड़े में बँधी हुई चाँदी की 36 मुद्राएँ मिली हैं, जिनमें 8 पंचमार्क है तथा 28 मुद्राएँ यूनानी हैं जिसमें से सर्वाधिक मुद्राएँ (16) यूनानी शासक मिनेण्डर की हैं।

बालाथल सभ्यता

- बालाथल वल्लभनगर तहसील (उदयपुर) में स्थित है। इस टीले के उत्खनन का कार्य 1993 ई. में डॉ. वी.एन. मिश्र के नेतृत्व में डॉ. वी.एस. सिन्दे तथा डॉ. देव कोठारी ने किया।
- यहाँ से 3000 ई.पू. से लेकर 2500 ई.पू. तक की ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृति के बारे में पता चलता है। यहाँ ताँबे के सिक्के, मुद्राएँ व आभूषण प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ से एक विशाल भवन के अवशेष मिले हैं, जिसमें 11 कमरे विद्यमान हैं।
- बैराठ के बाद **बुने हुए वस्त्रों** के अवशेष भी बालाथल में मिले हैं। यहाँ से **लोहा गलाने की भट्टी** के अवशेष भी मिले हैं।

गणेश्वर सभ्यता

- गणेश्वर का टीला, **नीमकाथाना,** सीकर में **कांतली नदी** के उद्गम के पास स्थित है। यह सभ्यता करीब 2800 वर्ष पुरानी है। रतनचंद्र अग्रवाल तथा विजयकुमार ने 1977-78 ई. में यहाँ पर खुदाई की थी। यहाँ से **मछली पकड़ने के कांटे**, फरसे तथा बाणाग्र मिले हैं। यहाँ से ताम्र उपकरण एवं बर्तन बड़ी संख्या में मिले हैं। इसे भारत में **'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी'** कहा जाता है।
- गणेश्वर से सिन्धु घाटी सभ्यता को ताँबे की आपूर्ति की जाती थी।

2 प्रमुख शासक और उनकी उपलब्धियाँ

मेवाड़ के प्रमुख शासक

जैत्रसिंह (1213-1250 ई.)

- जैत्रसिंह ने इल्तुतमिश की सेना को **भूताला के युद्ध** (1227 ई.) में पराजित किया।
- जयसिंह सूरी कृत हम्मीर मद मर्दन में इसका उल्लेख मिलता है।
- 1248 ई. में सुल्तान नासिरूद्दीन महमूद ने जैत्रसिंह पर आक्रमण किया, लेकिन वह पराजित हुआ।

रतनसिंह (1302-1303 ई.)

- 1302 ई. में समरसिंह का पुत्र रतनसिंह शासक बना, जिसका उल्लेख कुम्भलगढ़ प्रशस्ति तथा एकलिंग महात्म्य से मिलता है। अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण (1303 ई.) किया था।
- युद्ध में **गोरा** और **बादल** शहीद हुए तथा रानी पद्मिनी ने 1600 स्त्रियों के साथ जौहर किया। जो चित्तौड़ का **प्रथम साका** कहलाता है।
- उसने चित्तौड़ का नाम बदलकर अपने पुत्र खिज्र खां के नाम पर **खिज्राबाद** रख दिया।
- रावल रत्नसिंह मेवाड़ के गुहिल वंश की **रावल शाखा का अंतिम शासक** था।

महाराणा हम्मीर (1326-1364 ई.)

- 1326 ई. में हम्मीर ने चित्तौड़ को मालदेव के उत्तराधिकारी बनवीर से छीन लिया तथा सिसोदिया वंश की स्थापना की।
- हम्मीर के समय से मेवाड़ के शासक महाराणा कहलाने लगे।
- हम्मीर को उसकी उपलब्धियों के कारण '**रसिक प्रिया**' नामक टीका में '**वीर राजा**' तथा कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति में '**विषम घाटी पंचानन**' कहा है। इसे **मेवाड़ के उद्धारक** की संज्ञा दी जाती है।
- हम्मीर ने सिंगोली के युद्ध में दिल्ली के सुल्तान मोहम्मद बिन तुगलक की सेना को परास्त किया।
- इन्होंने चित्तौड़ में '**अन्नपूर्णामाता**' का मन्दिर बनवाया।

महाराणा लक्षसिंह (लाखा) (1382-1421 ई.)

- इनके समय में जावर में चाँदी की खान खोजी गई।
- लाखा के समय में ही एक बंजारे ने पिछोला झील का निर्माण करवाया।
- राणा लाखा के ज्येष्ठ पुत्र **चूण्डा** को **मेवाड़ का 'भीष्म पितामह'** कहा जाता है।

महाराणा मोकल (1421-1433 ई.)

- मोकल राणा लाखा व हंसाबाई का पुत्र था।
- महाराणा लाखा के देहांत के समय मोकल की आयु 12 वर्ष थी तथा चूँडा माँडू चला गया और मेवाड़ में मारवाड़ के राठौड़ों का प्रभुत्व स्थापित हुआ।
- मोकल ने चित्तौड़ के **समिद्धेश्वर मंदिर** (इसका निर्माण परमार राजा भोज ने करवाया) का जीर्णोद्धार करवाया तथा एकलिंगजी के मंदिर के चारों ओर परकोटे का निर्माण करवाया।

महाराणा कुम्भा (1433-1468 ई.)

- महाराणा कुम्भा 1433 ई. में मेवाड़ का शासक बना। कुम्भा ने 1437 में मालवा पर आक्रमण किया, जिसे **सारंगपुर के युद्ध** के नाम से जाना जाता है। इस विजय के उपलक्ष्य में कुम्भा ने **कीर्ति स्तम्भ** बनवाया।
- गुजरात के शासक कुतुबुद्दीन तथा मालवा के शासक महमूद खिलजी दोनों ने मिलकर कुम्भा को पराजित करने के लिए **चम्पानेर की सन्धि** (1456 ई.) की।
- इसके समय में चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित कीर्तिस्तम्भ शिलालेख की रचना **कवि अत्री** तथा उसके **पुत्र महेश** ने संस्कृत में की।
- श्यामलदास द्वारा रचित वीर विनोद के अनुसार राजस्थान में स्थित 84 दुर्गों में से 32 के निर्माण या जीर्णोद्धार का श्रेय कुम्भा को दिया जाता है।
- कुम्भा ने अपनी पत्नी कुम्भलदेवी की स्मृति में कुम्भलगढ़ के दुर्ग (राजसमंद) का निर्माण करवाया था। मेवाड़ की पश्चिमी सीमा की सुरक्षा के लिए सिरोही के निकट **बसंती दुर्ग** का निर्माण करवाया।
- कुम्भा ने आबू में 1453 ई. में अचलगढ़ का दुर्ग निर्मित करवाया।
- कुम्भा द्वारा निर्मित **विजय स्तम्भ** के सूत्रधार जैता तथा उसका पुत्र **नापा, पोमा,** और **पूंजा** हैं। विजय स्तम्भ को **भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष** कहा जाता है।
- कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति में कुम्भा की उपाधियाँ महाराजाधिराज, रायरायन, राणरासो (साहित्यकारों का आश्रयदाता), राजगुरु, दानगुरु, हालगुरु (पहाड़ी दुर्गों का स्वामी), शैलगुरु, परमगुरु (परम शासक) आदि उल्लेखित हैं।
- कुम्भा ने **संगीतराज, रसिक प्रिया, सूड़ प्रबंध, कामराज रतिसार, संगीत मीमांशा, संगीत रत्नाकर की टीका, चंडीशतक टीका** आदि ग्रंथों की रचना की।
- कुम्भा के राज्याश्रित विद्वान रमा बाई या वागेश्वरी (कुम्भा की पुत्री) कान्ह व्यास, सारंग व्यास, अत्रिभट्ट, महेश भट्ट, मंडन, नाथा व गोविंद आदि थे।

महाराणा संग्रामसिंह (1509-1528 ई.)

- इतिहास में '**हिन्दूपत**' के नाम से प्रसिद्ध महाराणा साँगा 1509 ई. में मेवाड़ का शासक बना।
- 1517 ई. में दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी एवं महाराणा सांगा के मध्य हुए खातौली (बूँदी जिला) के युद्ध में इब्राहिम की निर्णायक पराजय हुई।
- 1518 ई. में महाराणा सांगा ने बाड़ी (धौलपुर) के युद्ध में मियां हुसैन व मियां माखन के नेतृत्व वाली इब्राहिम लोदी की सेना को परास्त किया।
- 1519 ई. में राणा साँगा ने गागरोन के युद्ध में मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी द्वितीय को पराजित कर कैद कर लिया।
- खानवा का युद्ध 17 मार्च, 1527 ई. को बाबर तथा राणा साँगा के मध्य लड़ा गया, जिसमें राणा साँगा की हार हुई।
- युद्ध में विजय के बाद बाबर ने **गाजी** की उपाधि धारण की।
- खानवा के युद्ध में राणा साँगा का सहयोग चन्देरी के मेदिनीराय, आमेर के पृथ्वीराज, मारवाड़ के मालदेव, बीकानेर के कल्याणमल तथा उपरमाल के अशोक परमार, ईडर का भारमल, सादड़ी का झाला अज्जा, राव दूदा, वीरमदेव मेड़ता इत्यादि शासकों ने किया।